

110/2017 सरकार 4/1 ठाकरा वर्गे

15.5.17 पत्रावली बायल-व लोक अदालत शाहीपत
 ठाकरा कायके इर 2017 में आल लेवा
 केरु तिमकपकोर में वेरा इर।
 यापी की ओ ले वेरोका ठाकरा -
 (तह-सिवाद्यी) उपाह्यत / विद्यापीठगण
 के गत वेरी 42 नोवेल लामील 2017
 लेते 2/ जो कायपुड लूपता अउपतिम /
 विद्यापी स. 13 की ओ ले गत वेरी
 पर प्रेसुत की गई कायती के लंख
 हलका परवारी नेहो की ठाणी से
 वस्तुह्यती की यातकारी की गई रंख
 मयपे काय में की इर लंख में
 पुढगाह की गई। ले सापते कापी,
 मि तहलीलदा सिवाद्यी (यापी पय)
 द्वारा हलगत आवेदन के काय नयवी
 लंखता (उल्लावित गला नयवे में) में लवरी
 का 34 के पूर्वी लीमा की मेठ से लगते
 हुए आग-राला (सदीपी लाला) चलता
 दर्शाते हुए, उक्त लाले जो गै-पु.
 राला संरित कते केरु कावेडन वेर
 फिमर गप। लंखकी मयपे काय में
 पुढगाह में सापता काया, कि खरखी
 संख्या 34 के बीच में से डेकर कायपत
 राले का आते याते केरु उपयोग कते है।
 उक्त लंखो की सुष्टि हलका परवारी
 नेहरो की ठाणी द्वारा सिना, कि राले की
 उपयोग उरव. क. 34 के बीच से के केरु
 की भापी में के लीमा लंखता रता है।

इसने स्पष्ट होता है, कि ज़ाबी द्वारा प्रोका स्थिति के अनुसार आवेदन पेश नहीं किया गया है। इसने विज्याबी दि. 13 द्वारा उल्लूक आपाती को खसल मिलता है। इस प्रकार ज़ाबी द्वारा पेश किया गया आवेदन खिस्वीकाट भोग्य नहीं है।

रषीहाप्पा ज़ाबी की ओर से प्रोका की स्थिति के अनुसार आवेदन मय उल्लूक पेश नहीं किये जाने के कारण, ज़ाबी का आवेदन स्मरहीन तथ्यों के आधार पर होने के कारण खारिज किया जा रहा है।

आदेश तथ्ये अगि उतापा गया। पत्रावली केवल सुधार हेतु वाकिफ दफ्तार है।

दिनांक
15/5/18
अपखण्ड अधिकारी, सिणधरी